Subject - Bus Eco & Environment.

Ques- Describe the Methods of Measuring National Income.

Ans - 1. उत्पादन गणना प्रणाली (Production Method)
इस विधि को औद्योगिक उद्गम प्रणाली या सूची गणना (Inventory method) भी कहते है। इस विधि के अनुसार किसी अर्थव्यवस्था में एक वर्ष में जो वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, उसके कुल मूल्य का जोड़ (Sum) लगा लिया जाता है। जोड़ लगाते समय दोहरी गणना (Double counting) से बचने के लिए केवल अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं को ही सम्मलित किया जाता है। इस विधि की सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य संबंधी सही एवं विस्तृत समंक (data) उपलब्ध नहीं होते और यह पता लगाना भी कठिन हो जाता है कि वस्तु अन्तिम वस्तु है अथवा मध्यवर्ती वस्तु।

2. आय की गणना प्रणाली (Income method) - इस प्रणाली के अन्तर्गत देश में विभिन्न वर्गों की अर्जित आय को जोड़ लिया जाता है। उत्पत्ति के विभिन्न साधनों द्वारा अर्जित शुद्ध आय की गणना कर ली जाती है। इस प्रणाली में देश के सभी नागरिकों की आय का योग कर लिया जाता है। निम्नलिखित भुगतानों का योग ही राष्ट्रीय आय होती है—
i, मजदूरी एवं पारिश्रमिक ; ii, Self-employed आय ; iii, कर्मचारियों के कल्याण के लिए अंशदान ; iv, लाभांश ; V, ब्याज ; VI अतिरिक्त लाभ , vii, लगान और किराया ; viii, सरकारी उद्यमों के लाभ ; ix, विदेशों से साधनों की शुद्ध आय।

3, व्यय की गणना प्रणाली (Expenditure or outlay Method) — इस प्रणाली में हम एक वर्ष में अर्थव्यवस्था में होने वाले व्यय के कुल प्रवाह का योग करते है। इस विधि के अनुसार,

(P.T.O.)

Scanned with CamScanner

B.Com P.I

Bus. Eco & Environment

Date 05-05-2020

Ref No:.............. Date .....

Total Expenditure = Total Personal consumption expenditure + Gross Domestic Private Investment + Government Purchases of Goods & services + Net Foreign Investment (Export Value – Import Value)

4. सामाजिक लेखांकन प्रणाली (Social Accounting Method) — इस विधि के अनुसार सम्पूर्ण समाज में लेन-देन (Transaction) करने वालों को विभिन्न वर्गों में बाँटा जाता है। ये वर्ग उत्पादक, व्यापारी, अन्तिम उपभोक्ता आदि के रूप में होते हैं।

इस विधि का प्रतिपादन आर्थिक मन्दी के पश्चात अनेक प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों द्वारा किया गया है और यह विधि राष्ट्रीय आय गणना की नवीनतम विधि मानी जाती है।

हैरल्ड ऐडी एवं ऐलन पीकॉक के अनुसार "सामाजिक लेखांकन मनुष्यों तथा मानवीय संस्थाओं को भली-भांति समझने में सहायक होता है। इसमें केवल आर्थिक क्रियाओं का वर्गीकरण ही नहीं किया जाता है बल्कि अर्थतंत्र के संचालन की जानकारी में एकत्रित सूचना के प्रयोग का भी समावेश होता है।

The End

Dr S.K. Sharma, Associate Professor,
Dept. of Commerce,
R.N. College, Pandaul.

Scanned with CamScanner